

गर्लफ्रेंड और उसकी सहेली की चूत चुदाई

“मेरी गर्लफ्रेंड मुझे अपनी सहेली के जन्मदिन की पार्टी में ले गई, लेकिन वहां हम तीनों ही थे। वाइन पीकर हम तीनों बहक गए और दोनों सहेलियाँ आपस में फ्रेंच किस करने लगी। ...”

Story By: (raynoldie)

Posted: Sunday, September 20th, 2015

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [गर्लफ्रेंड और उसकी सहेली की चूत चुदाई](#)

गर्लफ्रेंड और उसकी सहेली की चूत चुदाई

दोस्तो, अन्तर्वासना पर यह मेरी पहली कहानी है, उम्मीद है आपको पसंद आएगी। मैं एक आर्किटेक्ट हूँ, दिल्ली में नया नया आया था, मुझे एक बड़ी फर्म में जॉब मिल गई थी और मैं बहुत खुश था।

मेरी नई कंपनी नेताजी सुभाष प्लेस में थी, पहले दिन ही मेरी सबसे अच्छी दोस्ती हो गई थी। मेरी कंपनी में करीब 80 लोगों का स्टाफ था लेकिन मेरा दिल तो तब टूट गया कि साला पूरे ऑफिस में एक भी माल लड़की नहीं थी। सारी की सारी आंटी या तो आउटडेटेड लड़कियाँ रखी हुई थी। फिर क्या... बस काम में ही दिल लगाना पड़ता था।

लेकिन एक दिन मेरी सोई हुई किस्मत जैसे पलट गई, रोज की तरह लंच के बाद हम सभी ऑफिस के बाहर घूमते थे।

एक दिन हम घूम रहे थे ओपन प्लाज़ा में तो मैंने देखा कि एक लड़की मुझे काफी देर से देख रही है।

पहले तो मुझे बड़ा अजीब लगा, फिर मैं भी उसे देखने लगा और फिर तो लगभग रोज का यही किस्सा हो गया था।

लड़की क्या थी यार, कयामत थी बिल्कुल, सफेद दूध के जैसे स्किन, बड़ी बड़ी आँखें और गुलाब जैसे होंठ।

मैं तो उसको देख कर पागल सा ही हो गया था।

फिर वक्त निकलता गया और दो महीने तक बस देखा देखी होती रही क्योंकि दिल्ली की लड़की से दोस्ती करने की हिम्मत तो नहीं थी मुझ में।

आखिर एक दिन मैंने उसकी तरफ हाथ हिलाया किया तो उसने भी मुस्कुरा कर हाथ हिलाया किया और दो महीने बाद पहली बार हम दोनों में बात हुई पहली बार।

मैं बहुत नर्वस था और उसको भी यह बात पता चल गई थी।

उसका नाम था शीतल, बिल्कुल स्वर्ग की अप्सरा थी।

आखिर हम दोनों दोस्त बन गये और एक दूसरे का नंबर भी ले लिया।

दिन ऐसे ही गुज़रते गये, हम दोनों में बहुत बातें होने लगी और हम पक्के दोस्त भी बन गये।

एक दिन मैंने उसको प्रपोज़ कर दिया, थोड़ा ना नुकुर के बाद उसने हाँ बोल दिया और बोलती भी कैसे नहीं मैंने अपना पूरा चार्म जो चलाया था।

एक दिन करीब शाम को शीतल का फोन आया, वो बोली- पार्टी में चलना है मेरी क्लोज़ फ्रेंड के घर!

मैंने उसे पिक किया और उसकी सहेली रीमा के घर चले गये।

आज तो वो कुछ ज्यादा ही हॉट लग रही थी। मैंने आज तक वैसे कभी कुछ ग़लत नहीं सोचा था शीतल के बारे में लेकिन आज तो वो जैसे कामसूत्र की कोई देवी लग रही थी, काले टॉप और काली मिनी स्कर्ट में बिल्कुल जैसे बाहों में भरने के लिए आमंत्रित कर रही हो।

हम दोनों रीमा के घर पहुँच गये, रात के आठ बज गये थे, मुझे लगा था कि कोई ज़बरदस्त पार्टी होगी लेकिन वहाँ तो कोई नहीं था। मैंने शीतल से पूछा- पार्टी कहाँ है?

तो वो बोली- आज रीमा का जन्मदिन है लेकिन क्योंकि वो दिल्ली में अकेली रहती है इसलिए वो ही उसकी इकलौती दोस्त है।

मेरा दिमाग़ हिल गया दो अकेली हॉट लड़कियों के बीच बस मैं था।

खैर उन दोनों ने केक काटा, मैंने भी रीमा को विश किया तो वो गहरी नज़र से मुझे देखते

हुए मुस्कुरा दी। रीमा ने थैंक यू बोलते हुए मेरे गाल पर एक किस कर दिया और बोली- मेरा गिफ्ट कहाँ है ?

मैं भी हंस दिया और बोला- मैं ही हूँ आपका गिफ्ट।

तो वो बहुत तेज़ हंसती हुई शीतल को बोली- यार तू बड़ी लकी है जो इतना हॉट बायफ्रेंड मिला है।

शीतल बोली- काहे का लकी... आज तक इसने मुझे ढंग से किस भी नहीं किया।

मैंने दिल ही दिल में सोचा 'साला आज कहा फँस गया।'

फिर रीमा अंदर से वाइन की एक बोतल ले आई और उसने वाइन ग्लास में करनी शुरू कर दी।

शीतल तो जैसे जन्मों से वाइन की प्यासी थी, ग्लास भर भर के पीने लगी और रीमा भी उसका साथ देने लगी।

अब मेरा ध्यान उन दोनों के जिस्म पर जाना शुरू हो गया था। शीतल का फिगर कुछ 34-26-32 होगा, ग़ज़ब की सुंदर थी वो और रीमा भी 34-28-32 ही होगी और वो भी शीतल से कुछ कम नहीं थी।

दोनों एकदम पक्की सहेलियाँ थीं।

रीमा को जब नशा सा होने लगा तो उसने वोदका भी निकल ली और हनी सिंह के गाने लगा कए दोनों शाउट्स मारने लगीं।

मैं भी नशे में हो गया था, हम तीनों ही एकदम मदहोश थे।

रीमा डान्स करने लगी और उसने मुझे और शीतल को भी खींच लिया, अब हम तीनों डान्स कर रहे थे। ग़ज़ब की आग थी रीमा में... उसे देख कर अलग ही फीलिंग आ रही थी, मेरा लंड कुछ कुछ हरकत में आ गया था लेकिन इससे वो दोनों बेखबर थीं।

तभी मेरे होश उड़ गये जब रीमा ने शीतल को उसके लबों पर किस कर दिया और वो भी फ्रेंच किस... दोनों एक दूसरे की जीभ चाट रही थी और रीमा ने मुझे देखा... उसकी आँखों में अजीब सा नशा था।

वो मेरी तरफ आई और मेरे होंठों को पागलों की तरह चूसने लगी और मेरा लंड पकड़ लिया।

मैंने उसे धक्का दिया क्योंकि यह सब इतना जल्दी हुआ कि मुझे कुछ समझ ही नहीं आया। शीतल यह देख कर हँसने लगी और रीमा से बोली- रंडी साली, तुझे मेरा ही बायफ्रेंड मिला था ?

फिर शीतल हँसती हुई बोली- पहले मैं इसे टेस्ट करूँगी।

और वो मेरे ऊपर आ गई और मेरे होंठ चूसने लगी।

मुझे तो बेहोशी सी छा रही थी... क्या मस्त मौसम था।

मैंने भी शीतल की कमर पकड़ी और उसके होंठ चूसने लगा, फिर उसके मुँह में अपनी जीभ डाल दी।

शीतल भी मदहोश हो गई और बोली- साले, इतनी दिनों से ऐसे किस क्यूँ नहीं किया ?

मैंने शीतल के बूब्स अपने हाथ से दबाने शुरू किया तो वो चिल्ला पड़ी।

पीछे से रीमा आकर मेरे गले पर चुम्बन करने और पागलों की तरह काटने लगी।

मैंने सोचा कि साला आज इन दोनों की प्यास ही बुझा देता हूँ, मैंने रीमा की गर्दन पर एक लव बाइट दे दिया।

इधर शीतल अपने बूब्स दबा रही थी और तरह तरह की आवाज़ें कर रही थी, वो वही फर्श पर लेट गई, मैंने रीमा के होंठ चूसने शुरू किए और उसके चूचे दबाने लगा। मैंने एक हाथ उसकी ब्रा में डाला ओर उसके निप्पल मसलने लगा और दूसरा हाथ उसकी पैंटी के अंदर डाल कर उसकी चूत को सहलाने लगा।

वो तड़प रही थी।

आज तक यह नज़ारा बस पॉर्न मूवी में देखा था मैंने।

इतने में शीतल घोड़ी बने आई और मेरे पैरों को चाटने लगी।

हम तीनों ही नशे में मदहोश हुए जा रहे थे। मुझे पता ही नहीं चला कब शीतल ने मेरी जीन्स ओर अंडरवीयर उतार दी, मेरा सात इंच लंबा लंड तना हुआ खड़ा था, वो मेरा लंड अपने मुँह में लेकर चूसने लगी।

मेरी चीख निकल गई और मैं रीमा की चूत में उंगली करने लगा तेज़ तेज़।

रीमा भी सिसकारियाँ लेने लगी और मैंने उसके कपड़े उतार दिए। फिर मैंने शीतल को उपर उठाया और उसकी टॉप उतार दी, उसके बूब्स चूसने लगा।

तब तक रीमा मेरे लंड पर पहुँच गई थी, वो अपने हाथों से मेरे लंड को मसलने लगी ओर मेरी बॉल्स को चूसने लगी।

मैंने शीतल की स्कर्ट उतार दी और मैं उसको लेटा के उसकी चूत चाटने लगा, रीमा मेरे लंड को चूस रही थी।

मैंने शीतल की चूत पर वाइन डाली और चाटने लगा और शीतल 'आ आ अओई उई मा...'
जैसी आवाज़ें निकल रही थी।

रीमा भी मेरे लंड पर केक लगा कर उसे चाटने लगी।

मैंने अपनी जीभ से ही शीतल को चोदना शुरू कर दिया, उसकी पूरा बदन कांप रहा था और वो 'आ आ ओई मा फाड़ दे रोहित फाड़ दे मेरी चूत...' ऐसे आवाज़ें कर रही थी जिससे मुझे और जोश आ रहा था और मेरा लंड और कड़क हो रहा था जिसको रीमा चूस रही थी पागलों की तरह।

इतने में शीतल की चूत से पानी निकल गया तो मैंने रीमा को उठाया उपर और अपनी गोदी में ले लिया।

रीमा पागलों की तरफ मेरी छाती को चूमने, चाटने और काटने लगी, उसकी फुट्टी बिल्कुल गीली थी और अब मुझसे भी नहीं रहा जा रहा था, मैंने अपने लंड का मुँह उसकी चूत में रखा और ज़ोर से धक्का मारा।

मेरी गोदी में रीमा उछल गई, मैं भी गिरते गिरते बचा।

मैंने उसकी जीभ अपनी जीभ से चाटना शुरू किया और धक्के देने लगा, वो तेज़ तेज़ चिल्लाने लगी।

मुझे तो डर लग रहा था कि कोई पड़ोसी ना आ जाए लेकिन वो हाई क्लास एरिया था, साला किसी को कोई मतलब नहीं था।

रीमा चिल्ला रही थी- आ गॉड फक मी... फक मी हार्ड!

साली पूरी अँग्रेज़न की चोदी थी पर मुझे मज़ा आ रहा था क्योंकि यह मेरे लिए सपने जैसा था और साल दारू की वजह से मैं भी फुल ओन गरम और जोश में था।

इतने में शीतल भी आकर मुझे पूरे बदन पर चूमने लगी।

मैं खड़े खड़े अब थक गया था, मैंने रीमा को उतार दिया लेकिन आग अभी दोनों में ही बहुत थी। वो मेरा लंड अपने हाथ में पकड़ के मुझे बेडरूम में लेके जाने लगी और मैं शीतल की पतली कमर में हाथ डाले उसे चूमते हुए चलने लगा।

कभी रीमा मेरा लंड दबा रही थी कभी मैं शीतल की मोटी गांड दबा रहा था और हम उसके बेडरूम में आ गये।

शीतल तो बाथरूम में चली गई और शावर चला कर नहाने लगी।

मैंने रीमा को बेड पर डाला और उसकी चूत में अपना लंड डाल दिया और अपनी पूरी जान लगा कर उसे चोदने लगा। रीमा ने चिल्ला चिल्ला के मेरे कान फाड़ दिए और मैंने चोद

चोद के उसकी चूत फाड़ दी।

रीमा चिल्ला रही थी- ओह गॉड... और तेज़ और तेज़... आ आ आ फक फक मी... करीब दस मिनट में हम दोनों ही झड़ गये ओर मैं उसकी बाहों में गिर गया और उसके बूब्स और निप्पल चूसने लगा।
रीमा मस्त हो चुकी थी।

तभी मुझे शीतल की याद आई, वो मेरी गर्लफ्रेंड है और मैंने अभी तक उसे नहीं चोदा था। शीतल अभी भी शावर में ही थी, मैं बाथरूम में गया ओर उसके भीगे बदन को अपनी बाहों में भर लिया।

वो मुझसे लिपट गई, अब उसका नशा शायद उतर रहा था, वो रोते हुए मुझे 'आई लव यू...' कहने लगी। मैंने उसके भीगे हुए होंठों पर अपने होंठ रख दिए और हम 5 मिनट तक ऐसे ही एक दूसरे के होंठ चूसते रहे।

फिर मैं अपने घुटनों पर बैठ गया और उसकी चूत को चाटने लगा, वो मेरे बाल पकड़ कर अपनी चूत को मेरे मुँह में धक्के देने लगी। मैंने उसके एक एक अंग को चूमा और वो मदहोश हो रही थी, वो भी मेरे लंड से खेलने लगी और मेरे लंड को चूसने लगी।

मैंने सोचा कि अब देर नहीं करनी चाहिए और मैंने उसकी एक टाँग उठाई और अपना लंड एक झटके से उसके चूत में डाल दिया। शीतल कांप गई और उसकी आँखों से आँसू निकल आए।

रीमा तो साली रंडी थी लेकिन शीतल सच में मासूम थी और रीमा की कंपनी की वजह से वो थोड़ी ओपन हो गई थी लेकिन दिल से वो बिल्कुल मासूम सी लड़की थी। मुझे शीतल पर बहुत प्यार आने लगा। मैंने उसको प्यार से चूमा, उसके माथे पर और धीरे

धीरे धक्के देता रह अपने लंड को ।

थोड़ी देर बाद शीतल को भी मज़ा आने लगा और वो भी धक्के देने लगी अपनी चूत को ।
मैंने शीतल के होंठ अपने होंठों से जकड़ लिए और उसके बूब्स दबाने लगा एक हाथ से
और दूसरे हाथ से उसकी चूत को सहलाने लगा ।

वो हल्की हल्की आवाज़ में मस्त आवाज़ें करने लगी 'उई उई उम्म...'

पूरा माहौल रोमॅटिक हो गया था ।

करीब दस मिनट के बाद हम दोनों ही झड़ गये, मैं उसे तौलिये से पौँछ कर बेडरूम में ले
आया ।

रात बहुत हो गई थी इसलिए मैं शीतल को अपनी बाहों में नंगी ही लेकर बेड पे लेट
गया । पीछे से रीमा भी आकर मुझसे चिपक गई और पता नहीं कब हम तीनों को ही नींद
आ गई ।

फिर हमारी आँख अगले दिन सुबह ही खुली ।

मैं उठा और कपड़े पहन कर अपने फ्लैट पर आ गया और शीतल रीमा के साथ ऑफिस
चली गई ।

कैसी लगा आपको मेरा यह अनुभव ?

प्लीज़ मुझे मेल करके ज़रूर बताएँ ।

शीतल के साथ बाद में क्या हुआ वो अगली कहानी में बताऊँगा । तब तक बाय !

